हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 256 देहरादून, बृहस्पतिवार, 06 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्य सचिव से मिले हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा 3

मानसखंड झांकी उत्तराखण्डवासियों के लिए बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गणतंत्र दिवस परेड-2023 में प्रथम स्थान पर रही उत्तराखण्ड राज्य की झांकी 'मानसखण्ड' को प्रदेश के जनपदों/ब्लॉक मुख्यालयों तथा मुख्य स्थानों पर प्रदर्शन हेतु फलैग ऑफ किया है। 6 अप्रैल से 18 मई 2023 तक प्रदेश के ब्लॉक मुख्यालयों एवं मुख्य शहरों में मानसखण्ड झांकी का प्रदर्शन जनमानस के सम्मुख किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखण्ड स्थापना के 22 वर्ष के इतिहास में पहली बार उत्तराखण्ड राज्य की झांकी को देश के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की ऐतिहासिक परेड के अवसर पर पहला स्थान प्राप्त होना सभी उत्तराखण्डवासियों की एक बड़ी उपलब्धि है

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास से गणतंत्र दिवस परेड-2023 में प्रथम स्थान पर रही उत्तराखण्ड राज्य की झांकी 'मानसखण्ड' को प्रदेश के जनपदों/ब्लॉक मुख्यालयों तथा मुख्य स्थानों पर प्रदर्शन हेतु फलैग ऑफ किया। गणतंत्र दिवस परेड-2023 में विभिन्न राज्यों व भारत सरकार के मंत्रालयों की 27 झांकियों में उत्तराखण्ड की मानसखण्ड झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कर्त्तव्य पथ पर पहली परेड में उत्तराखण्ड को प्रथम स्थान मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। उत्तराखण्ड गठन से अब तक पहली बार राज्य की झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

मानसखण्ड झांकी में जागेश्वर मंदिर, कार्बेट नेशनल पार्क, ऐपण आर्ट, योग तथा वनों का समावेश किया गया था। इस उपलब्धि से उत्तराखण्ड की धार्मिक, सांस्कृतिक धरोहर, कला एवं संस्कृति का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में हुआ। 05 अप्रैल से 18 मई तक प्रदेश के ब्लॉक मुख्यालयों एवं मुख्य शहरों में झांकी का प्रदर्शन जनमानस के सम्मुख किया जाएगा।

मानसखण्ड झांकी के संबंध में 02 मिनट की वीडियो भी तैयार की गई है। इस शॉर्ट फिल्म का एल.ई.डी. के माध्यम से जन सामान्य हेतु प्रसारण किया जाएगा। समस्त जनपद मुख्यालयों पर जिलाधिकारी के सहयोग से स्थानीय विधायक की उपस्थिति में झांकी से सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह हमारे लिए अत्यन्त गौरव का विषय है कि उत्तराखण्ड स्थापना के 22 वर्ष के इतिहास में पहली बार हमारे राज्य की झांकी को देश के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की ऐतिहासिक परेड के अवसर पर पहला स्थान प्राप्त हुआ है। यह सभी उत्तराखण्डवासियों की सांझी उपलब्धि है।

सभी उत्तराखण्डवासियों व इस झांकी में प्रतिभाग करने वाले कलाकारों तथा झांकी के निर्माण व प्रस्तुतिकरण से जुड़े लोगों को विशेष बधाई एवं शुभकामनाएँ। मानसखण्ड झांकी में राज्य के प्रमुख धाम जागेश्वर धाम, उत्तराखण्ड की संस्कृति, कला को दर्शाया गया है। मानसखण्ड झांकी उत्तराखण्ड के सभी ब्लॉक मुख्यालयों व मुख्य शहरों में भ्रमण पर रहेगी। इससे राज्य के सभी जगहों के लोग विशेषकर बच्चे इस झांकी से अवगत हो पाएंगे। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार द्वारा मानसखण्ड मंदिर माला मिशन पर मिशन मोड पर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहरों के पुर्नउद्धार के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, अपर निदेशक सूचना आशीष त्रिपाठी, झांकी लीडर के0 एस0 चौहान, आचार्य मनमोहन लोहनी उपस्थित थे।

गढ़वाली, कुमाऊंनी व जौनसारी हिंदी भाषा में 4 नवोदित लेखक होंगे सम्मानित : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार की ओर से प्रथम बार लोक भाषाओं व लोक साहित्य में कुमाउनी, गढ़वाली, अन्य उत्तराखण्ड की बोलियों व उपबोलियों तथा हिन्दी पंजाबी एवं उर्दू में दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन व अनवरत साहित्य सेवा के लिए प्रतिवर्ष उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान प्रदान करने घोषणा की

संस्थान की प्रबन्ध कार्यकारिणी एव साधारण सभा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार की ओर से प्रथम बार लोक भाषाओं व लोक साहित्य में कुमाउनी, गढ़वाली, अन्य उत्तराखण्ड की बोलियों व उपबोलियों, पंजाबी एवं उर्दू में दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन व अनवरत साहित्य सेवा तथा हिन्दी में उत्कृष्ट महाकाव्य/खण्डकाव्य रचना, काव्य रचना कथा साहित्य व अन्य गद्य विधाओं के लिए प्रतिवर्ष उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान प्रदान करने घोषणा की। इसके साथ ही गढ़वाली, कुमाउनी व जौनसारी तीन लोक भाषाओं तथा हिन्दी भाषा में 4 नवोदित उदयीमान लेखकों को प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाएगा।

आगामी मई माह में भव्य समारोह आयोजित कर उत्कृष्ट साहित्यकारों को उक्त पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री धामी ने उत्तराखण्ड के ऐसे रचनाकारों, जो अर्थाभाव के कारण अपनी पुस्तकों का प्रकाशन नही करा पाते हैं, उन्हें उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा आर्थिक सहायता के रूप में आंशिक अनुदान दिए जाने के प्रस्ताव पर भी स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री श्री धामी ने राज्य के प्रत्येक जनपद में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय भाषा सम्मेलन आयोजन करने के निर्देश भी दिए। यह भाषा संस्थान की एक बहुआयामी योजना होगी जिसमें शोध पत्रों का वाचन, भाषा संबंधी विचार विनिमय, साहित्यिक शोभा यात्रा, लोक भाषा सम्मेलन आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के प्रत्येक जनपद के 01 प्राथमिक विद्यालय में डिजिटल/ई पुस्तकालय स्थापित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में राज्य में नेशनल बुक ट्रस्ट के साथ मिलकर पुस्तक मेले का आयोजन तथा पुस्तक मेले में साहित्यिक संगोष्ठियों के आयोजन पर भी स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही राज्यभर में सुविख्यात लेखकों की व्यखानमालाएं आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमारी लोक भाषाएं एवं बोलियां हमारी पहचान और गौरव है। राज्य सरकार स्थानीय भाषाओं, बोलियों व संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरन्तर प्रयासरत है।

बैठक में उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा साहित्यिक एवं शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। इसके साथ ही लोक भाषाओं के मानकीकरण हेतु कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन हेतु भी स्वीकृति दी गई। सम्बन्धित अधिकारियों ने कहा कि उत्तराखण्ड में विभिन्न क्षेत्रों में गढ़वाली, कुमाउनी व जौनसारी बोलियो को बोलने वाले व लिखने वाले अलग-अलग हैं, जिनके लेखन में शब्दों का औच्चारणिक विभेद है। गढ़वाली एवं कुमाउनी बोली भाषा के औच्चारणिक एवं वर्तनी के मानकीकरण की अत्यंत आवश्यकता है। यह शिविर गढ़वाल एवं कुमाउं मण्डल में आयोजित किए जाएंगे। उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा उत्तराखण्ड में जनपद तथा राज्य स्तरीय भाषायी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

बैठक में भाषामंत्री सुबोध उनियाल, सचिव विनोद प्रसाद रतूड़ी, अपर सचिव एवं निदेशक उत्तराखण्ड भाषा संस्थान स्वाति भदौरिया, सदस्य डा0 सुलेखा डंगवाल, प्रो0 दिनेश चन्द्र शास्त्री, डॉ सुधा पाण्डेय, डॉ हरिसुमन बिष्ट, प्रो. देव पोखरिया एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

1875 अभ्यर्थी होंगे पीएचडी परीक्षा में शामिल

श्रीनगर ग?वाल । हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 8 अप्रैल को बिड़ला परिसर श्रीनगर, एसआरटी परिसर बादशाही थौल टिहरी, डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून तथा रामानुजन कॉलेज दिल्ली परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में कुल 1875 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके अलावा 627 जेआरएफ अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा से मुक्त रहेंगे। उन्हें साक्षात्कार व मेरिट के आधार पर पीएचडी में प्रवेश दिए जाएंगे।

गढ़वाल केंद्रीय विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा के आवेदन फार्म तीन मार्च से भरे जाने शुरू हो गए थे। जिसमें कुल 2502 आवेदकों ने आवेदन किया है। जिसमें से 627 सीटों पर जेआरएफ अभ्यर्थियों को सीधे साक्षात्कार के माध्यम से प्रवेश दिए जाएंगे। जबकि 1875 अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। प्रवेश परीक्षा के कोर्डिनेटर प्रो. अनिल कुमार नौटियाल एवं सहायक कुलसचिव परीक्षा अरविंद कुमार ने बताया कि बिड़ला परिसर परीक्षा केंद्र पर 531, एसआरटी परिसर बादशाही थौल टिहरी में 82, डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून में 976 एवं रामानुजन कॉलेज दिल्ली परीक्षा केंद्र पर 266 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

उन्होंने बताया कि परीक्षा के आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर दी गई हैं। कहा कुल 349 पीएचडी सीटों में से 181 सीटें विवि के बिड़ला, पौड़ी एवं टिहरी परिसर के लिए निर्धारित हैं। जबकि 68 सीटें संबद्ध कॉलेजों व 110 सीटें जेआरएफ अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित हैं। उन्होंने बताया कि 8 मार्च को परीक्षा 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक संपन्न होगी।

Toll Plaza : 10 सेकंड से ज्यादा हुआ तो नहीं देना पड़ेगा पैसा... जानें नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , हम में से अधिकांश लोग हर रोज किसी न किसी काम से नेशनल हाईवे पर सफर करते हैं. इस बीच आपको एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए टोल प्लाजा पर टोल टैक्स भी देना पड़ता है. इसके लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कई नियम बनाए हैं. लेकिन कम लोग जानते हैं कि NHAI के इन नियमों में एक ऐसा भी नियम है, जिसके तहत आप Toll Plaza पर बिना पैसा दिए भी अपनी यात्रा पूरी कर सकते हैं. ऐसे में आज हम आपको NHAI के एक ऐसे ही नियम की जानकारी देने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप टॉल की रकम चुकाने से बच सकते हैं.

टोल प्लाजा पर सर्विस टाइम प्रति वाहन 10 सेकंड से ज्यादा का नहीं होना चाहिए

दरअसल, आपने देखा होगा कि कुछ समय पहले तक टोल प्लाजाओं पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी रही थीं. कई बार तो टॉल के चक्कर में लोग अपने आप को फंसा महसूस करते थे. लेकिन फास्टैग आने के बाद लोगों को इस समस्या से तो छुटकारा मिल गया, लेकिन अभी भी कई बार प्रोसेस स्लो होने के कारण वाहन स्वामियों को अब भी इंतजार करना पड़ जाता है. ऐसे में NHAI का नियम यह है कि टोल प्लाजा पर सर्विस टाइम प्रति वाहन 10 सेकंड से ज्यादा का नहीं होना चाहिए. चाहे फिर वह प्राइम टाइम यानी पीक आवर्स ही क्यों न हो.

वाहन स्वामी बिना कोई टैक्स दिये आगे जा सकता है

NHAI के नियम के अनुसार अगर टोल प्लाजा पर किसी वाहन को 10 सेकंड से ज्यादा रोका जाता है तो वह टैक्स के दायरे से बाहर आ जाता है और उसको कोई टैक्स नहीं देना होता. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मई 2021 के एक आदेश में बताया गया है कि टोल प्लाजा पर अगर टोल का पैसा काटने में 10 सेकंड से ज्यादा का समय लगता है तो वाहन स्वामी बिना कोई टैक्स दिये आगे जा सकता है.

इम्यूनिटी बूस्ट करती है मालिश, मिलते हैं ये फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , दिनभर की थकान मिटाना हो या फिर ऑफिस का स्ट्रेस करना हो दूर, मालिश सौ मर्ज की एक दवा है। रोजाना मालिश करवाने से व्यक्ति को अनेक प्रकार के फायदे होते हैं। एक अच्छी मालिश न सिर्फ तनाव दूर करती है बल्कि थकान दूर करके शरीर को मजबूत बनाती है, मेटाबॉलिज्म मजबूत बनता है, इम्यूनिटी बूस्ट करती है, अच्छी नींद लेने में मदद करने के साथ व्यक्ति को कई तरह के रोगों से भी दूर रखती है। आयुर्वेद और नेचुरोपैथी में भी मालिश को बेहद अहम माना गया है। इसे कई बीमारियों के इलाज में प्रभावी माना जाता है। यह तन-मन को नई ताजगी देती है। आइए जानते हैं मालिश करवाने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन से फायदे।

तनाव और चिंता करें दूर-

नियमित मालिश शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद करती है। कोर्टिसोल शरीर में मौजूद ऐसा हार्मोन है जो तनाव होने पर शरीर में बनने लगता है। ऐसे में मालिश करवाने से कोर्टिसोल के स्तर को कम करके, तनाव और चिंता की भावनाओं को कम किया जा सकता है। जिससे दिमाग शांत रहता है।

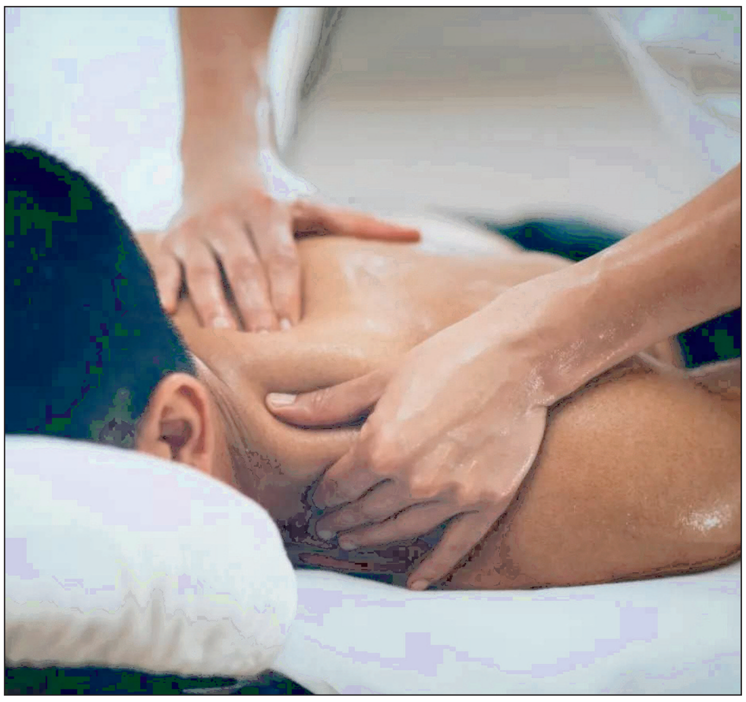

मांसपेशियों में तनाव और दर्द से राहत-

मालिश शरीर में खून का संचार अच्छा करके मांसपेशियों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करती है।

अच्छी नींद-

सोने से पहले मालिश करवाने से व्यक्ति को अच्छी गहरी नींद लेने में मदद मिलती है। एक अच्छी मालिश शरीर और दिमाग को आराम देकर बेचैनी, चिंता और तनाव जैसी भावनाओं को कम करने में मदद कर सकती है, जिससे व्यक्ति की नींद प्रभावित होने का खतरा बना रहता है। नींद से बड़ा अच्छा महसुस होता है साड़ी थाकान दूर हो जाती है

इम्यूनिटी बूस्ट करें-

मालिश सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाकर तनाव से जुड़े हार्मोन के स्तर को कम करके प्रतिरक्षा प्रणाली को अच्छा बनाए रखने में मदद कर सकती है। जिसकी वजह से व्यक्ति कम बीमार पड़ता है। और हर दिन हष्ट पुष्ट रहता है

भारत में Car Steering Wheel दाईं तरफ क्यों होता है ? जानिए सही वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , भारत में कारों का स्टीयरिंग व्हील दाईं तरफ होता है जबकि अमेरिका सहित कई अन्य देशों में बाईं तरफ मिलता है तो क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों है, क्यों भारत में स्टियरिंग व्हील बाईं तरफ नहीं दिया जाता या कार के बीच में नहीं दिया जाता? चलिए, बताते हैं. दरअसल, साल 1947 से पहले लंबे भारत पर अंग्रेजों का राज रहा था और उन्होंने ही यातायात को सुगम बनाने के लिए सड़क पर बाईं ओर चलने का नियम बनाया. इसके बाद से वाहन और लोग सड़क के बाईं ओर चलने लगे. तब यातायात के लिए घोड़ागाड़ी यानी बग्घी का इस्तेमाल होता था. नियम लागू होने के बाद से बग्गी चलाने वाले बग्गी के आगे दाईं ओर बैठने लगे क्योंकि बीच में बैठने से उन्हें सामने आने वाली अन्य बग्गियों आदि को देखने में परेशानी होती थी. लेकिन, दाईं ओर बैठकर बग्गी चलाने से वह सामने आने वाली अन्य बग्गियों को आसानी से देख पाते थे और सुरक्षित तरीके से बग्गी चला पाते थे. अंग्रेजों द्वारा बनाए गए नियमों के कारण बग्घी चालक बग्गी के दाईं तरफ बैठने लगे और फिर इसी को कारों में भी फॉलो किया जाने लगा.

जब बग्घियों की जगह कारों ने ली तो स्टीयरिंग बाईं ओर मिलने लगा

समय बीतने के साथ बग्घियों की जगह कारों ने ले ली और कारों में भी ड्राइवरों को आगे देखने में परेशानी न हो, इसका ख्याल खरते हुए ड्राइवर की सीट को दाईं ओर दिया जाने लगा. इससे कार चलाते समय ड्राइवर सामने से आ रही अन्य कारों और वाहनों को आराम से देख पाते हैं. इससे ड्राइवर ज्यादा बेहतर तरीके से वाहन चलाने में सक्षम होते हैं.अब सवाल है कि अमेरिका या कई अन्य देशों में कार में बाईं ओर स्टीयरिंग व्हील क्या होता है. दरअसल, जिन देशों में सकड़ के दाईं ओर चलने का नियम है, वहां कारों में बाईं ओर स्टीयरिंग मिलता है ताकि ड्राइवर आराम से आगे ने आने वाले वाहनों को देख सके. अमेरिका ऐसे ही देशों में से एक है.

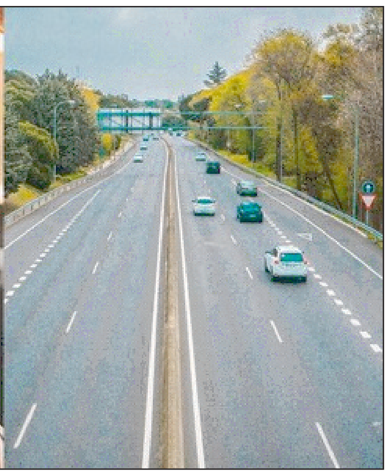

चार धाम यात्रा प्रदेश की प्रतिष्ठा : सतपाल महाराज

श्रद्धालुओं गुमराह करने वालों पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अप्रैल , चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को जो लोग गुमराह करते हैं उन पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। केदारनाथ एवं यमुनोत्री धाम में खच्चरों के खानपान और विश्राम की समुचित व्यवस्था हो, इस संबंध में बनी गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन होना चाहिए। हेलीकॉप्टर के टिकट ब्लैक करने वालों पर भी इस बार सख्ती से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।ये कहना है प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज का जो उत्तराखंड सचिवालय में चारधाम यात्रा तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा प्रदेश की प्रतिष्ठा का विषय है इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि यात्रा सीजन में धामों एवं यात्रा मार्गों पर एसडीआरएफ, पुलिस बल, जल पुलिस, गोताखोर और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती के व्यापक प्रबंध होने चाहिएं। वाहनों की नियमित चेकिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिन स्थानों पर अधिकांशतः मार्ग अवरुद्ध होता है ऐसे स्थानों का चिन्हीकरण कर जेसीबी व अन्य मशीनों आदि की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर चेक पोस्ट स्थापित कर वाहनों की नियमित चेकिंग के साथ-साथ चालकों एवं ट्रैवल एजेंसी आदि को यात्रा से संबंधित दिशा निर्देश जारी किए जाएं।

यात्रा पर आने वाले यात्रियों की जानकारी के लिए प्रत्येक टैक्सी में प्रदेश में स्थापित विभिन्न सर्केटो की जानकारी से संबंधित साहित्य भी रखवानी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि मानव उत्थान सेवा समिति के माध्यम से चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के लिए 10 करोड़ की धनराशि का बीमा भी करवाया जायेगा। समीक्षा बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत एवं अभिनंदन की संस्कृति को बढ़ाते हुए उनका अभिवादन जय गंगोत्री, जय यमुनोत्री, जय बद्री विशाल और जय केदार के उद्घोधन से होना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश देते हुए कहा कि यात्रा मार्गों पर स्थित निजी होटल, ढ़बों आदि में भोजन एवं आवासीय सुविधा की निर्धारित रेट लिस्ट लगी होनी चाहिए। उन्होंने धामों में फूट मसाज की उचित व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि 22 अप्रैल से शुरू होने जा रही है चारधाम यात्रा के तहत अभी तक कुल 997100 यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। जबकि 16 फरवरी 2023 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग के तहत अभी तक कुल 7.53 करोड़ रुपये से भी अधिक की बुकिंग की जा चुकी है। इसलिए सभी व्यवस्थायें समय से की जानी चाहिए।पर्यटन मंत्री महाराज ने समीक्षा बैठक के दौरान पशुपालन, शहरी विकास एवं पेयजल विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर आक्रोश जाहिर करते हुए कार्यवाही के भी निर्देश दिए। उन्होंने चार धाम यात्रा पर अस्थाई चिकित्सा केंद्रों में चिकित्सक व अपेक्षित स्टाफ की तैनाती के साथ जीवन रक्षक दवाई, उपकरण, पोर्टेबल ऑक्सीजन सिलेंडर, एंबुलेंस एवं एयर एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक में गढ़वाल कमिश्नर सुशील पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे, वी. मुरुगेसन, सी.रविशंकर सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सोशल मीडिया में हो जाये एक्टिव सभी विभाग, नज़र रखेंगे सीएम धामी

सूचना उप निदेशक रवि बिजरानियां ने टॉप 3 मोस्ट एक्टिव विभागों को दी शाबाशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तीन माह में होगी विभागों की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग

देहरादून 6 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में बुधवार को “रोल ऑफ़ सोशल मीडिया इन गुड गवर्नेंस” विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रदेश के 50 से अधिक विभागों व राज्य सरकार उपक्रमों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यशाला के दौरान विभिन्न विभागों से सोशल मीडिया पर टॉप 3 मोस्ट एक्टिव विभागों को सूचना उप निदेशक रवि बिजरानियां द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति, स्मार्ट सिटी देहरादून और होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को सम्मानित किया गया। कार्यशाला में यह अवगत कराया गया कि विभिन्न विभागों की सोशल मीडिया सम्बन्धी गतिविधियों की हर तीन माह में समीक्षा की जाएगी।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के सोशल मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संतोषपूर्ण समाधान किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री सोशल मीडिया टीम द्वारा विभिन्न विभागों की वेबसाइट को और आकर्षक और बेहतर बनाने हेतु महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। कार्यशाला में विभागों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अधिक से अधिक रेस्पॉन्सिव, इंफॉर्मेटिव बनाए जाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। कार्यशाला में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सरलीकरण समाधान निस्तारण के संकल्प को सोशल मीडिया के जरिए कैसे लागू कर सकते हैं इस विषय में भी जानकारी दी गई। साथ ही विशेषज्ञों द्वारा विभागों को उनसे संबंधित जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सोशल मीडिया का बेहतर उपयोग करने के भी महत्वपूर्ण टूल एंड टैक्टीस बताई गई। इसके अतरिक्त सोशल मीडिया की सुशासन में भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।कार्यशाला में मुख्यमंत्री कार्यलय के प्रतिनिधि, कार्यशाला के नोडल सूचना विभाग समेत सभी विभागों के 150 से अधिक सोशल मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव से मिले हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अप्रैल , उत्तराखण्ड राज्य के पांचवें धाम श्री हेमकुण्ट साहिब जी के कपाट खोलने एवं यात्रा 2023 की तैयारियों के संबंध में गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब मैनजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा ने उत्तराखण्ड सरकार के मुख्य सचिव डॉ० एस. एस. संधु जी से मुलाकात की। वार्ता में निर्णय लिया गया कि उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से गुरुद्वारा ट्रस्ट द्वारा इस वर्ष श्री हेमकुण्ट साहिब जी की यात्रा शनिवार दिनांक 20 मई 2023 से प्रारंभ कर दी जाएगी।

प्रतिवर्ष श्री हेमकुण्ट साहिब में बर्फ जो कि अधिक मात्रा में होती है उसको हटाने की सेवा भारतीय सेना के जवान करते हैं। इस वर्ष दिनांक 20 अप्रैल 2023 को भारतीय सेना के जवान यात्रा मार्गों से बर्फ हटाने हेतु घांघरिया के लिये प्रस्थान करेंगे। श्री हेमकुण्ट साहिब की पावन यात्रा एवं गुरु महाराज के सम्मुख मत्था टेकने के लिये प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं संगतों की संख्या में बढ़ोत्तरी को देखते हुए गुरुद्वारा ट्रस्ट के मुख्य पड़ावों में विश्राम हेतु कमरों व हॉल इत्यादि का भी निर्माण किया गया है। इसके अलावा श्रद्धालुओं की अन्य सुख-सुविधाओं जैसे कि लंगर पानी, डॉक्टरी सहायता आदि का भी विशेष ध्यान रखते हुए ट्रस्ट द्वारा यात्रा की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण की जा चुकी है।

गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट, यात्रा प्रबंधन के शेष बचे कार्यों में जुट हुआ है।

यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से ट्रस्ट द्वारा अपील है कि झूठी अफवाहों में न आयें, ट्रस्ट गुरुद्वारा से सम्पर्क करके यात्रा संबंधी जानकारी प्राप्त करें सभी संगतें प्रसन्नतापूर्वक व धार्मिक भावना के साथ श्री हेमकुण्ट साहिब यात्रा पर आयें व गुरु घर की खुशियां व आर्शीवाद प्राप्त करें।उत्तराखण्ड सरकार द्वारा भी यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि प्रशासन एवं ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करें एवं प्रेम पूर्वक व अनुशासित होकर अपनी यात्रा सुखद ढंग से पूर्ण करें।

अजब गजब : दूसरों को देख क्यों आती है खुद को जम्हाई?

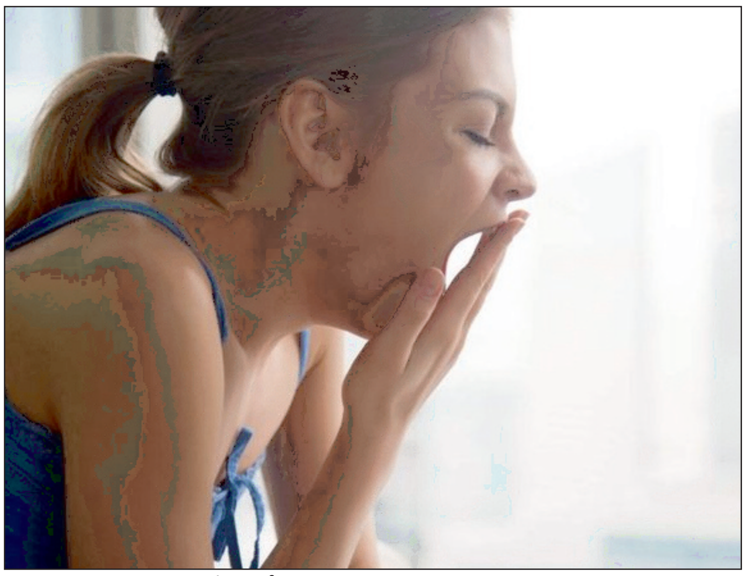

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , अक्सर आपने देखा होगा कि जब कोई जम्हाई या उबासी लेता है और हमारी नजर उसपर पड़ जाती है तो हमें भी उबासी आने लगती है. आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता रहता होगा. दरअसल, किसी को उबासी लेते देख खुद भी उबासी लेना हम इंसानों के व्यवहार में शामिल होता है. इसको लेकर कई रिसर्च हुई हैं. आइए इसके पीछे के विज्ञान को समझते हैं.

इसके पीछे है विज्ञान

जम्हाई लेते वक्त अक्सर लोग टोकते हुए कहते हैं कि रात सोए नहीं थे या नींद पूरी नहीं हुई थी क्या? लेकिन इसके पीछे हमेशा नींद पूरी न होना वजह नहीं होती है. कभी-कभी किसी दूसरे को जम्हाई लेते देख भी जम्हाई आ जाती है. इसके पीछे भी विज्ञान है और इसका संबंध हमारे मस्तिष्क से है.

घर, दफ्तर वगैरह में आपने अक्सर ऐसा देखा होगा कि किसी ने जम्हाई या उबासी ली है और आपकी नजर उसपर गई है तो आपको भी उबासी आने लगती है. आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता होगा न? यह हम इंसानों के व्यवहार में शामिल होता है कि किसी को उबासी लेते देखने पर हमें भी अपने आप उबासी आने लगती है. एक तथ्य ये भी है कि Animal Behaviour जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च स्टडी के मुताबिक, जिन लोगों का दिमाग ज्यादा काम करता है, उन्हें लंबी उबासी आती है. क्या आप जानते हैं कि इसका कारण क्या है? आपको जानकर हैरानी हो सकती है कि इसके पीछे भी एक साइंस है.

किसी को उबासी या जम्हाई लेते देख हमें भी जम्हाई आने लगती है और बगल वाला टोक देता है, रात में सोए नहीं थे क्या? नींद पूरी नहीं हुई है क्या? लेकिन अक्सर यही वजह नहीं होती! दूसरों को जम्हाई लेते देख खुद भी जम्हाई लेने के पीछे नींद ही कारण नहीं होता. इसके पीछे साइंस है और इसका कनेक्शन हमारे दिमाग से होता है. इसको लेकर कुछ रिसर्च स्टडी भी हो चुकी हैं.

अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी में हुई रिसर्च स्टडी के मुताबिक, इंसान की उबासी का कनेक्शन दिमाग से होता है. काम करने के दौरान जब हमारा दिमाग गर्म हो जाता है तो इसे ठंडा करने के लिए उबासी आती है. इससे हमारे शरीर का टेंपरेचर स्थिर हो जाता है.वैज्ञानिकों के अनुसार, जब कोई इंसान अपने सामने किसी अन्य व्यक्ति को उबासी या जम्हाई लेते हुए देखता है, तो उसका मिरर न्यूरॉन सिस्टम एक्टिव हो जाता है. यही एक्टिव मिरर न्यूरॉन सिस्टम उसे किसी की उबासी की नकल करने के लिए प्रेरित करता है. यही कारण है कि किसी को देखकर उबासी लेने का मन करने लगता है.

न्यूरॉन सिस्टम हो जाता है एक्टिव

वैज्ञानिकों का कहना है कि जब कोई इंसान हमारे जम्हाई लेता है, तो उसे देखकर हमारा मिरर न्यूरॉन सिस्टम एक्टिव हो जाता है. यह सिस्टम हमें उबासी की नकल करने के लिए प्रेरित करता है. यही कारण है कि ड्राइवर के बराबर वाली सीट पर बैठे व्यक्ति को जम्हाई लेने या नींद लेने के लिए मना किया जाता है. क्योंकि ऐसा करने पर ड्राइवर को भी जम्हाई आती है और उसे नींद का अनुभव होता है.

उत्तराखंड की दारमा घाटी.. जहां पांडवों ने किया था आखिरी भोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अप्रैल , आज बात करते हैं देवभूमि की उस घाटी की जिसका सम्बन्ध जुड़ा है पांडवों से ... ऐसी मान्यता है कि स्वर्गारोहण के लिए हिमालय की यात्रा के दौरान पांडवों ने इसी पर्वत पर अपना अंतिम भोजन बनाया था। इसके पांच उच्चतम शिखरों पर पांचों पांडवों ने पांच चूल्ही अर्थात छोटे चूल्हे बनाये थे। इसलिए ये जगह पंचचूली कहलाया।दारमा घाटी, उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में धौलीगंगा नदी के किनारे पर स्थित है, जो अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जानी जाती है। इसे न सिर्फ उत्तराखंड बल्कि हिमालय की भी सबसे सुंदर घाटियों में से एक माना जाता है। इस घाटी में आपको धौलीगंगा नदी की कलकल की आवाज, पंचाचूली पर्वत का खूबसूरत नजारा और आरामदायक घास इसे और भी खास बनाती है।

इसके अलावा यहां की स्थानीय परम्परा और लोगों का प्रकृति प्रेम इनकी प्यार में पड़ने पर मजबूर कर देगा। कहा जाता है न कि मंजिल से अधिक मजा रास्ते में आता है। ये लाइन दारमा घाटी के लिए बिल्कुल परफेक्ट बैठती है। यहां की रोमांचक यात्रा जबरदस्त है। यहां अगर आप अपने पार्टनर के साथ जाने की सोच रहे हैं तो इस खूबसूरत से जगह पर जा सकते हैं। पहाड़ी सभ्यता और खानपान, उनकी परम्परा और रहन-सहन, हिमालयी नजारों, बुग्याली घास और कटीले वृक्ष इस घाटी को एक सम्पूर्ण पहाड़ी घाटी बनाती है, जिसका आनंद एक बार तो सभी को लेना चाहिए। यहां ठंड बहुत पड़ती है तो इस बात का ध्यान रखें और अपनी पैकिंग में जैकेट. स्वेटर और जूते रखना बिल्कुल न भूलें। कहा जाता है कि पांडवों ने स्वर्ग जाते समय अपना आखिरी खाना यही खाया था। यहां आपको पांडव पीक भी देखने को मिलेगा, जो एक सुखद और सकारात्मक ऊर्जा देता है।

दारमा घाटी में दुग्तालों का गांव दुग्तू व दांतू दुग्तू गांव दारमा घाटी में स्थित एक छोटा सा गांव है। इस गांव में रं समाज के लोग रहते हैं, जिनकी परम्परा व रहन-सहन बेहद अलग है और शानदार भी..। पंचाचूली की गोद में बसे इस गांव में करीब 150 परिवार रहते हैं। पहले यहां मिट्टी का घर था, जो अब धीरे-धीरे सीमेंट वाले घर में तब्दील हो रहे हैं। इसे दुग्तालों का गांव भी कहा जाता है। कुछ ऐसा ही दांतू गांव का भी नजारा देखने को मिलता है, जिसे कैमरे में कैद किए बिना आप वापसी ही नहीं कर सकते। इस घाटी में कुल 12 आदिवासी गांव बसते हैं, जो आज भी अपनी संस्कृति व परंपरा से लगाव रखते हैं।

क्या आप जानते हैं एसपी - एएसपी में क्या होता है फर्क?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , पुलिस अधीक्षक (एसपी) और सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दोनों पुलिस विभाग में काम करते हैं। लेकिन दोनों पदों में अंतर है। जानिए कैसे दोनों एक दूसरे से अलग हैं और दोनों में बुनियादी अंतर क्या है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) पुलिस बल में वरिष्ठ रैंक का पद है। SP की वर्दी के कंधों पर एक तारा और एक अशोक चिन्ह होता है। इसके नीचे आईपीएस लिखा होता है। पुलिस अधीक्षक से ऊपर के पद को वरिष्ठ अधीक्षक और अधीक्षक के नीचे के पद को अतिरिक्त अधीक्षक कहा जाता है।

सहायक पुलिस अधीक्षक (ASP) रैंक भारत में पुलिस बल द्वारा प्रस्तावित पदों में से एक है। ASP रैंक वाला व्यक्ति भारतीय पुलिस सेवा (IPS) से जुड़ा होता है। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि हर आईपीएस अपने पुलिस करियर की शुरुआत पुलिस विभाग में एएसपी से करता है.पुलिस अधीक्षक (SP) का वेतन पैकेज लगभग 10.60 L सालाना बताया जाता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के वेतन का वार्षिक पैकेज लगभग 9 लाख बताया जाता है। दोनों पदों के लिए वेतन का अनुमान विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार है। दोनों ही पोस्ट पर सैलरी के साथ कई तरह की सुविधाएं और भत्ते मिलते हैं। ये सुविधाएं पद और राज्य में काम करने के अनुभव पर निर्भर करती हैं।

एसपी जिला पुलिस बल का शीर्ष अधिकारी होता है। कानून व्यवस्था की निगरानी और रखरखाव करना एसपी की जिम्मेदारी है। अपराधों को होने से रोकना भी एसपी के दायित्वों में शामिल है। रैलियों या त्योहारों जैसी बड़ी सभाओं में, एसपी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी व्यवस्था करता है। जिले को सुरक्षित रखना एसपी के कर्तव्यों का अहम हिस्सा है।एसपी पद के लिए यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा पास करने वाले ही आवेदन कर सकते हैं। इस पद के लिए वही आवेदन कर सकते हैं जो भारतीय नागरिक हैं। इस पोस्ट के लिए उम्र न्यूनतम 21 साल और अधिकतम 35 साल होनी चाहिए। एसपी की सैलरी करीब 80 हजार बताई जाती है। asp, (सहायक पुलिस अधीक्षक) रैंक उसी को दिया जाता है जिसके पास IPS का पद होता है। आईपीएस पद धारक को यह रैंक उसके करियर के दूसरे वर्ष में मिलता है, जब वह एसवीपीएनपीए (सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी) में प्रशिक्षण में होता है। IPS को यह रैंक उनके करियर की शुरुआत में मिलती है। मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि पुलिस उपाधीक्षक का पद भी एएसपी के समकक्ष होता है।

आफ लाइन मोड पर भी संचालित होगा मण्डी का कारोबार : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 6 अप्रैल , कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कास्तकारों के हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड के समस्त कारोबार को आनलाइन के साथ-साथ आफलाइन मोड पर भी स्वीकार्य करने के निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि फल-सब्जी सहित गल्ले के कार्यो से जुड़े कारोबारियो को आनलाइन प्रक्रिया का समुचित ज्ञान न होने के कारण इस प्रक्रिया के साथ-साथ आफलाइन मोड में भी मण्डी का कारोबार होगा। इस बाबत कृषि मंत्री ने मण्डी परिषद के प्रबंध निदेशक को दूरभाष पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

देहरादून में आलू फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष केसी जोशी ने अपनी पाँच सूत्रीय मांग को लेकर कृषि मंत्री गणेश जोशी से उनके कैम्प कार्यालय में भेंट की। जिसके बाद मंत्री ने मण्डी परिषद के अधिकारियों को इस बाबत समाधान के लिए निर्देशित किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मण्डी कारोबार को आफलाइन करने, 1964 के मण्डी अधिनियम के पप्रत्र 6आर में संसोधन, उत्पादकों के माल को व्यापारी के विक्रय स्थल पर नोट करने की व्यवस्था में सुधार का अनुरोध किया।

इसके अतिरिक्त, एसोसिएशन ने अनुरोध कि कि हल्द्वानी मण्डी में सप्ताह में एक या दो दिन पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक बैठें, जो कास्तकारों की समस्याओं को हल करने का काम करेंगे। इस बाबत भी कृषि मंत्री ने पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति को कार्यवाही के निर्देश दिये। इस अवसर पर लालकुआं विधायक डा0 मोहन सिंह बिष्ट, एसोसिएशन के अध्यक्ष केसी जोशी, महामंत्री दीपक, भुवन चन्द्र तिवारी, जीवन कार्की, देवानन्द सिध्वी आदि उपस्थित रहे।

गुमशुदा बालिका को पौड़ी पुलिस ने किया टीला गाजियाबाद से सकुशल बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 06 अप्रैल : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल से गुमशुदा नाबालिग बालिका को तत्काल बरामद करने के दिये थे कड़े निर्देश। 17.03.2023 को स्थानीय निवासी कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल द्वारा कोतवाली कोटद्वार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी कि उनकी नाबालिग पुत्री दिनांक 15.03.2023 को समय लगभग 08:00 बजे घर से दुगड्डा स्कूल जाने हेतु गयी थी जो न ही स्कूल पहुंची तथा न ही घर लौटकर वापस आयी। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली कोटद्वार पर मु0अ0स0-61/23, धारा-363 भा0द0वि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

प्रकरण नाबालिग बालिका की गुमशुदगी का होने के कारण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा गुमशुदा की तत्काल बरामद करने के लिए पुलिस टीम गठित करने हेतु आदेशित किया गया। निर्गत आदेशों के क्रम में शेखर सुयाल, अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देश, गणेश लाल कोहली पुलिस उपाधीक्षक कोटद्वार के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार एवं सीआईडी टीम के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा रात-दिन थाना क्षेत्र के सम्भावित स्थानों पर जानकारी की गयी।

गुमशुदा द्वारा पूर्व में भी इसी प्रकार दिनांक 02.03.2023 को घर से नाराज होकर चले जाना व दिल्ली से बरामद होना साथ ही इससे पूर्व भी 2 बार घर से नाराज होकर जाने की जानकारी प्रकाश में आयी। पुलिस टीम द्वारा दुगड्डा से बाहरी क्षेत्रों के लिए जाने वाले समस्त सी0सी0टी0वी0 कैमरे चेक कर, विभिन्न स्रोतों सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, मैनुअल सूचना पोस्टर इत्यादि से गुमशुदा/अपहृता के बारे में सूचना प्रकाशित की गयी। गुमशुदा की तलाश व बरामदगी हेतु पुलिस टीम को पूर्व में अपहृता के मिलने के स्थान दिल्ली के लिए रवाना किया गया। वरिष्ठ अधीक्षक द्वारा गठित पुलिस टीम के किये जा रहे कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही थी।

04.04.2023 को प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार के सरकारी मोबाइल पर थाना टीला गाजियाबाद (उ0प्र0) से गुमशुदा के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवाना शुदा टीम को अवगत कराते हुए मुकदमा उपरोक्त के विवेक उपनिरीक्षक सूरत शर्मा मय पुलिस टीम के साथ सूचना पर थाना टीला गाजियाबाद (उ0प्र0) जाकर गुमशुदा/अपहृत को सकुशल बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में गुमशुदा बालिका द्वारा घर से चले जाने का कारण पिता द्वारा टोका टाकी करना, सोशल मीडिया ऐप का इस्तेमाल करने पर रोकना बताया गया। गुमशुदा की परिजनों को सुपुर्दगी हेतु नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

सीधे गैस की आंच पर रोटी सेंकना है सेहत से खिलवाड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , कुछ लोग रोटी को तवे की बजाए सीधे गैस की आंच पर सेंकना शुरू कर देते हैं. हालांकि यह खाने में कुरकुरी लगती है लेकिन स्वाद कई बार सेहत पर भारी पड़ जाता है. रोटी को इस तरह से सेंकना आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है. लेख में आज हम आपको उसी के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप अपने तरीके में बदलाव करें. क्योंकि ऐसे रोटी खाना केवल आपको ही नहीं बल्कि पूरे परिवार की सेहत को खराब कर सकता है.

रोटी गैस की आंच पर सीधे सेंकने के नुकसान : जार्नल एन्वायरमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में हाल ही में प्रकाशित हुए एक शोध के अनुसार इस तरीके से रोटी सेंकने से एयर पोल्यूटेंट निकलती है जिसे डब्ल्यूएचओ (WHO) ने हानिकारक बताया है. उन पॉल्यूटेंट एयर का नाम कार्बन मोनो ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड है.

फूड स्टैंडर्ड ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड के वैज्ञानिक डॉ. पॉल ब्रेंट द्वारा प्रकाशित रिसर्च (2011) में बताया गया है कि सीधे आंच पर सेंकने से कार्सिनोजेनिक रसायन का उत्सर्जन होता है जो सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकती है. हालांकि अभी पूर्ण रूप से नहीं कहा जा सकता है सीधे आंच पर सीकी रोटी सेहत को नुकसान पहुंचाती है. अभी इस पर और शोध की जरूरत है.

लेकिन अब तक की रिसर्च को देखा जाए तो इस तरीके से रोटी सेंककर खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, तो कोशिश करें तवे पर ही रोटी सेंके. सावधानी बरतने में ही समझदारी है.

संक्षिप्त खबरें

बकाया भुगतान को लेकर आशा वर्करों ने किया सीएमएस का घेराव

ऋषिकेश। जननी सुरक्षा योजना, पल्स पोलियो आदि कार्यों के एवज में मिलने वाली प्रोत्साहन धनराशि का पिछले 5 महीने से भुगतान नहीं होने पर आशा वर्करों ने सरकारी अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का घेराव किया। कहा कि भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक संकट झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। एक स्वर में बकाया भुगतान जल्द से जल्द करने की मांग उठाई। बुधवार को ऋषिकेश शहरी क्षेत्र की कई आशा वर्कर सरकारी अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में पहुंचीं। यहां उन्होंने सीएमएस का घेराव कर पिछले पांच महीने से उनकी प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जतायी। आरोप लगाया कि अस्पताल के एक कनिष्ठ लिपिक की लापरवाही के चलते उनका भुगतान नहीं हो सका है। आक्रोशित आशा वर्करों ने चेताया की जल्द बकाया धनराशि का भुगतान नहीं किया तो कार्य बहिष्कार किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीके चंदोला ने बताया कि भुगतान से संबंधित मामला शासन स्तर पर लंबित था। बजट स्वीकृत हो गया है। आश्वस्त किया कि बकाया भुगतान जल्द कर दिया जाएगा। इस आश्वासन पर आक्रोशित आशाएं शांत हुईं। घेराव करने वालों में आशा वर्कर सुनीता बंसल, लाजवंती भंडारी, सावित्री शर्मा, वंदना शर्मा, रचना जाटव, रीना शर्मा, सरोजिनी, राजेश्वरी, जयावती, मनीषा रयाल, बबीता धीमान, विनोद कुमारी, संगीता नौटियाल, मधु अरोड़ा, रितु रस्तोगी आदि शामिल रहीं।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए किया प्रदर्शन

ऋषिकेश। राष्ट्रीय हिंदू संगठन ने भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग को लेकर तहसील में प्रदर्शन किया। इस दौरान एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया। बुधवार को राष्ट्रीय हिंदू संगठन के कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। संगठन के प्रदेश मंत्री सुभाष सैनी कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए मुहिम छेड़ दी गई है। जब तक भारत हिंदू राष्ट्र घोषित नहीं होता, तब तक उनका अभियान जारी रहेगा। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने उक्त मांग को लेकर उप जिलाधिकारी सौरभ असवाल के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेज कर उचित कार्रवाई की मांग उठाई। मौके पर संगठन के नगर अध्यक्ष योगेश, केंद्रीय समस्या समाधान समिति अध्यक्ष राजेश्वर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, नगर सचिव रमेश त्रिपाठी, तहसील संगठन मंत्री ऋषभ गौर, नगर उपाध्यक्ष जगतपाल, महासचिव हरिओम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहित बंसल, ओमप्रकाश गुप्ता, अनूप सैनी, जिला महिला संगठन मंत्री आशा भट्ट, अविनाश सेमल्टी, मनोज राजपूत, गौरी रावत आदि मौजूद रहे।

हवन यज्ञ कर स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत

ऋषिकेश। ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हुई। नए सत्र के शुभारंभ पर हवन यज्ञ किया गया और बच्चों को बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया। बुधवार को ढालवाला स्थित ऋषिकेश इंटरनेशनल स्कूल में नया शैक्षणिक सत्र 2023-24 के शुभारंभ पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। सर्वप्रथम विद्यालय प्रबंधक मोहन डंग, सचिव कैप्टन सुमंत डंग, उप प्रधानाचार्या बिंदु शर्मा व उपस्थित लोगों ने हवन यज्ञ में आहुति डाली। इसके बाद सभी बच्चों के माथे पर तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। प्रबंधक मोहन डंग ने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापरक और संस्कारवान शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय सचिव कैप्टन सुमंत डंग ने सभी बच्चों को नए सत्र में सफलता की नई ऊंचाईयों को छूने के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे सभी छात्र छात्राएं उत्तम शिक्षा नीति के साथ अपने भविष्य को उज्जवल बनायेंगे। मौके पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्या बिंदु शर्मा, दीपा शर्मा, अलीशा, स्वाति, समन्वयक आरती कुडियाल, ज्योति कोठियाल आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्मणझूला बाजार में बंद किया जाए वाहनों की आवाजाही

ऋषिकेश। पर्यटन क्षेत्र लक्ष्मणझूला बाजार में जाम से लोग परेशान हैं। शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को यहां भारी भीड़ से जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में क्षेत्र के व्यापारियों ने इन तीन दिनों में लक्ष्मणझूला बाजार में वाहनों की आवाजाही बंद रखने की मांग की है। बुधवार को स्वर्गाश्रम जौंक के व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने लक्ष्मणझूला थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि लक्ष्मणझूला बाजार में आए दिन ट्रैफिक जाम रहता है।

यात्रा मार्ग पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ आर राजेश कुमार की पैनी नज़र, टीम कर रही छापेमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 अप्रैल , चार धाम यात्रा शुरू होने से पहले आयुक्त खाद्य सुरक्षा और सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार की सख्त कार्यवाही उन रेस्टोरेंट , रिसोर्ट और होटलों पर तेज़ हो गयी है जहाँ नियमों की अनदेखी और नोटिस के बाद ढुलमुल रवैया अपनाने की शिकायतें आ रही हैं। आपको बता दें कि इन दिनों आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ राजेश कुमार के आदेश पर प्रदेश में बड़े पैमाने पर सैंपल और निरीक्षण कार्य योजना के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत उपायुक्त खाद्य संरक्षा गढ़वाल मंडल तथा उपायुक्त खाद्य सुरक्षा मुख्यालय के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम द्वारा टिहरी में तीसरे ऋषिकेश बयासी मार्ग , शिवपुरी के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के नियमानुसार रिसॉर्ट , कैंप हाउस , रेस्टोरेंट आदि का औचक निरीक्षण किया गया

अभियान के दौरान एक रिसोर्ट में स्टोरेज का रखरखाव सही नहीं पाए जाने पर नोटिस दिया गया है। वहीं स्नो पैंथर रिजॉर्ट कैंप में निरीक्षण के दौरान खुली हल्दी पाउडर का नमूना लिया गया। फूड साइड रेस्टोरेंट्स शिवपुरी में निरीक्षण के दौरान दाल और चावल के सहित कुल 2 नमूने जांच के लिए लिए गए। विभागीय टीम द्वारा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान होटल रेस्टोरेंट कैंप और फुटकर खाद्य विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों में लाइसेंस पंजीकरण की जांच की गई। लाइसेंस शर्तों के अनुपालन न करने पर नोटिस जारी किए गए और किचन से खाद्य सामग्री की मियाद तारीख और अन्य जानकारियों का भी परीक्षण इस टीम ने किया।

निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी के खाद्य पदार्थों जैसे मसाले पापड़ चिप्स आदि को नष्ट करवाया गया। प्रतिष्ठानों को लाइसेंस और फूड सेफ्टी डिस्पले के अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। एफडीए टीम द्वारा पिछले दिनों में शिवपुरी क्षेत्र के कैंप रिसोर्ट का निरीक्षण करने के बाद जारी नोटिस के अनुपालन में संबंधित फर्म द्वारा किए गए सुधार का भी इस दौरान टीम ने निरीक्षण किया। इस कार्यवाही को चार धाम यात्रा के मद्देनजर लगातार जारी रखने की बात भी टीम ने कही है। इस तीन दिवसीय जनपद टिहरी गढ़वाल के ऋषिकेश क्षेत्रों के अभियान में उपायुक्त खाद्य सुरक्षा गढ़वाल मंडल आर एस रावत , उपायुक्त खाद्य सुरक्षा मुख्यालय जी सी कंडवाल , खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा और एफडीए विजिलेंस के एसआई जगदीश रतूड़ी और योगेंद्र नेगी शामिल रहे। इस तीन दिवसीय कार्यवाही के दौरान कुल 19 सैंपल जांच के लिए इकट्ठे किए गए खाद्य संरक्षा विश्लेषणशाला के रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

आँखे रहेंगी दुरुस्त, रोजाना करें ये 7 शक्तिशाली आई एक्सरसाइज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , अधिकांश लोग अक्सर एक अच्छी और स्वस्थ जीवन शैली के लिए अपने शरीर की मांसपेशियों के व्यायाम का सहारा लेते हैं, और नियमित रूप से मांसपेशियों के व्यायाम करने के सिद्ध लाभ साबित हुए हैं। फिटनेस के प्रति उत्साही अपने शरीर की देखभाल करते हुए बेहतर दृष्टि के लिए आंखों के व्यायाम पर भी ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। हालांकि यह सुरक्षित रूप से कहा जा सकता है कि दृष्टिवैषम्य, मायोपिया, या हाइपरोपिया जैसी किसी भी गंभीर आंख की स्थिति के इलाज में आंखों के व्यायाम वैसे भी प्रभावी नहीं होंगे, अन्यथा अपवर्तक त्रुटियों के रूप में जाना जाता है, आंखों का उचित तरीके से व्यायाम करने से दृश्य को

अनुकूलित करने में काफी मदद मिल सकती है। कौशल।

विजन थेरेपी ने आंखों की कुछ समस्याओं जैसे कि आंखों का मुड़ना या स्ट्रैबिस्मस, लेजी आई या एम्बलियोपिया, आई ट्रैकिंग या सैकैडिक डिसफंक्शन, और आई टीमिंग या कन्वर्जेंस अपर्याप्तता के प्रभावी समाधान दिखाए हैं। आँखों का सही व्यायाम कैसे करें, इस बारे में किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना महत्वपूर्ण सहायता हो सकती है। हालांकि, कुछ आंखों की मांसपेशियों के व्यायाम हैं जो घर पर किए जा सकते हैं। यहां ऐसे ही कुछ अभ्यास हैं:

1. पेंसिल पुशअप्स

पेंसिल पुश-अप्स मूल रूप से एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आँखों को एक दूसरे की ओर बढ़ने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है या पास की वस्तु को देखते हुए अभिसरण किया जा सकता है। हाथ की लंबाई पर एक पेंसिल पकड़कर, टिप पर ध्यान केंद्रित करके और टिप को एक फोकस पर रखते हुए धीरे-धीरे पेंसिल को नाक के करीब ले जाकर व्यायाम आसानी से घर पर किया जा सकता है। प्रक्रिया को कई बार दोहराया जा सकता है

2. ब्रॉक स्ट्रिंग

ब्रॉक स्ट्रिंग एक लोकप्रिय दृष्टि चिकित्सा है जिसका उपयोग दृश्य प्रणाली को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। व्यायाम को प्रभावी ढंग से करने के लिए, डोरी के प्रत्येक छोर पर एक लूप बांधना होता है, एक लूप को डोरनॉब से जोड़ना होता है, तीन मोतियों को लगाना होता है, दूर के बीड को डोरनॉब के पास रखना होता है, बीच वाले को 2-5 फीट की दूरी पर और निकटतम नाक से एक 6 इंच। व्यायाम आंखों को ट्रैक करने, संरेखित करने और ध्यान केंद्रित करने में महत्वपूर्ण रूप से प्रशिक्षित कर सकता है।

3. विश्राम के लिए हथेलियाँ

हाथों को दाएं पिंकी के आधार पर बाएं पिंकी के आधार पर रखकर और उल्टा वी मूवमेंट बनाकर आंखों को आसानी से हथेलियों से आराम दिया जा सकता है। व्यायाम किसी भी आराम के समय में कम से कम पांच मिनट के लिए किया जा सकता है।

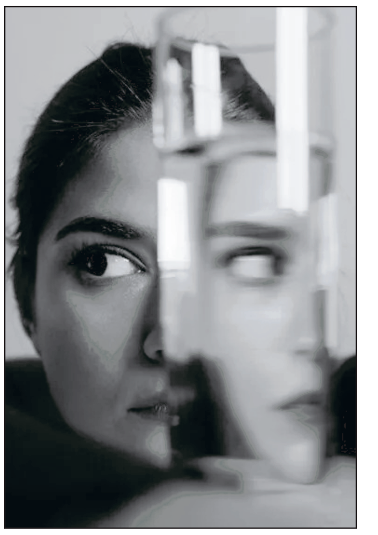

4. आँखें घुमाना

आंखों के तनाव से आसानी से राहत पाने के लिए, व्यक्ति बस बैठ सकता है, सिर को स्थिर रख सकता है और दाईं ओर देख सकता है, फिर छत की ओर, फिर बाईं ओर और नीचे फर्श पर और इस प्रक्रिया को कुछ समय के लिए दोहरा सकता है। यह व्यायाम किसी भी समय किया जा सकता है जब आँखों पर जोर पड़ता है।

5. त्राटक कर्म/ ध्यान लगाना

ध्यान के समान ही, त्राटक कर्म में एक प्रक्रिया शामिल होती है जिसमें लक्ष्य के एक मिनट के बिंदु को तब तक लगातार देखा जाता है जब तक कि आंखों में आंसू न आ जाएं।

6. 8 का चित्र

इस अभ्यास में, व्यक्ति को बैठने की स्थिति में होना चाहिए, उनके सामने 10 फीट के आसपास फर्श पर एक बिंदु चुनें, उस पर 8 की कल्पना करते हुए ध्यान केंद्रित करें और 30 सेकंड के लिए नज़र रखें और फिर दिशा बदल दें।

7. 20-20-20 नियम

20-20-20 नियम एक सरल नेत्र व्यायाम तकनीक है और अक्सर नेत्र विशेषज्ञों द्वारा इसका सुझाव दिया जाता है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो स्क्रीन पर देखने में बहुत समय व्यतीत करते हैं। नियम कहता है कि अगर कोई स्क्रीन पर 20 मिनट देख रहा है, तो उसे कम से कम 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी चीज को देखना चाहिए।

आंखों की कुछ स्थितियों जैसे डिस्लेक्सिया, बहुत ज्यादा पलकें झपकना, भेंगापन, आंखों में ऐंठन या आंखों की मांसपेशियों का लकवाग्रस्त होना आदि के लिए आंखों के व्यायाम से बचना चाहिए। जैसे धुंधली दृष्टि, आंखों में तनाव और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि।

रिश्ते-नाते : इस्लाम में पति-पत्नी की क्या-क्या है जिम्मेदारियां, पढ़ें विस्तार से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 अप्रैल , इस्लाम में पति और पत्नी की जिम्मेदारियां तय की गई हैं. जब तक दोनों लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं समझेंगे तब तक जिंदगी का गाड़ी का पहिया ठीक से नहीं चल पाएगा. दरअसल अक्सर ये देखा जाता है कि पति या पत्नी अपना हक तो समझते हैं. एक दूसरे को अपने हक के बारे में बताते भी हैं लेकिन जब बात आती है दूसरे के हक की तो उसे भूल जाते हैं. यहां हमने बात की मशहूर मौलाना अनीस अहमद से जिन्होंने रिश्तों की अहमियत पर रोशनी डालते हुए बताया कि शौहर और बीवी की क्या जिम्मेदारियां हैं.

मर्द की पहली जिम्मेदारी

मर्द की पहली जिम्मेदारी है महर अदा करना. महर अदा करना हर शादीशुदा मर्द के लिए बेहद जरूरी है. शादी की शर्तों में से एक शर्त महर अदा करना है. महर अदा करने का मकसद यह है कि औरत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना. लड़की अपने घर बार को छोड़कर अपने शौहर के साथ आती है. ऐसे में महर इसलिए अदा की जाती है ताकि लड़की के पास उसका कुछ निजी माल हो. जिसे वह अपनी मर्जी से खर्च कर सके. महर का मकसद यह भी है कि लड़की के पास उसका माल रहे तो उसकी हिम्मत बंधे और वह किसी की मोहताज न रहे. इसलिए कुरान में कहा गया है कि 'औरतों को उनका महर राजी-खुशी से दे दो.' (कुरान, सूरा-4, अन-निसा, आयत-4)'सबसे ज्यादा पूरी करने के लायक वह शर्त है, बीवी की सभी जरूरतों को पूरा करना.'

मर्द की दूसरी जिम्मेदारी

शौहर की दूसरी जिम्मेदारी है घर का खर्च उठाना. बुनियादी तौर पर घर की जिम्मेदारी जैसे कि बच्चों का लालन-पालन और देख-रेख उसके जिम्मे है तो इसलिए रोजी रोटी का बंदोबस्त करना मर्द के जिम्मे रखा गया है. बीवी का खर्चा उठाने में तीन चीजें शामिल हैं खाना, कपड़ा और घर.

बीवी की पहली जिम्मेदारी

औरत पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वह बेवफाई न करे. अगर बीवी अपने शौहर से बेवफाई करती है तो वह सिर्फ अल्लाह के हुक्म की नाफरमानी नहीं करती बल्कि वह अपने शौहर का हक मारती है.

बीवी की दूसरी जिम्मेदारी

बीवी की जिम्मेदारी है कि वह अपने शौहर की कमाई का सम्मान करे. चूंकि शौहर कमाता है इसलिए उसकी कमाई पर पहला हक उसका है. इसलिए औरत को चाहिए कि वह शौहर के माल को खर्च करने से पहले शौहर की इजाजत ले.

मिलीजुली जिम्मेदारियां

शौहर और बीवी की कुछ मिलीजुली जिम्मेदारियां हैं. दोनों एक दूसरे को धोखा न दें. अगर ऐसा होगा तो घर बर्बाद हो जाएगा. इस बारे में मर्दों को खास तौर से हिदायद दी गई है.

इस बात का रहे ध्यान

एक दूसरे के साथ अच्छा बरताव करना भी बहुत जरूरी है. मर्दों में ये कमी पाई जाती है. क्योंकि मर्द कई मामलों में अपनी बीवियों पर ज्यादतियां कर देते हैं. इस बारे में जिक्र है 'औरतों के साथ भलाई और नेकी के साथ रहो-सहो.' (कुरान, सूरा-4, अन-निसा, आयत-19)हदीस में आया है कि 'इनके साथ नर्मी बरतो, वरना ये कांच की तरह टूट जाएंगी.' (हदीसः बुखारी मुस्लिम

संपादकीय

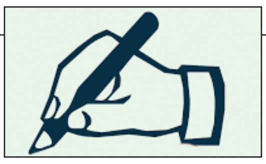

भारत की चेतावनी

पिछले कुछ महीनों से अनेक पश्चिमी देशों में हो रहीं भारत-विरोधी गतिविधियों से भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है. इन उग्र एवं हिंसक गतिविधियों का उद्देश्य भारत में अस्थिरता और अलगाववाद को उकसाना है. बीते माह एक उन्मादी भीड़ ने लंदन में भारतीय उच्चायोग के भवन पर लगे तिरंगे को हटाने की प्रयास किया था. इसके अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में भी निंदनीय प्रदर्शन हुए थे. ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों को निशाना बनाया गया, तो कनाडा में महात्मा गांधी की मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया गया. अमेरिका में एक भारतीय वाणिज्य दूतावास में आग लगाने की कोशिश की गयी. भारत को तोड़कर खालिस्तान बनाने का मंसूबा पाले कुछ संगठन कई पश्चिमी देशों में सक्रिय हैं. जिस प्रकार भारत में पंजाब में शांति भंग करने की कोशिशें हुई हैं और उनके साथ-साथ विदेशों में हिंसा की घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखते हुए यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि यह सब एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत हो रहा है. भारत ने राष्ट्रीय झंडे तिरंगे को अपमानित करने, भारतीय दूतावासों पर हमला करने, भारतीय मूल के लोगों को निशाना बनाने, मंदिरों में तोड़-फोड़ करने की घटनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने उन देशों की सरकारों से खालिस्तानी अलगाववादियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा भारतीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है. एक बार फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रेखांकित किया है कि भारत अपने राष्ट्रीय झंडे को अपमानित करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं कर सकता है. जिन देशों में ऐसी घटनायें हुई हैं, उनसे भारत के अच्छे संबंध हैं. इसके बावजूद ये देश अगर अलगाववादी हिंसा को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो यह बेहद चिंताजनक है. दूतावासों और उच्चायोगों तथा विदेशी मूल के लोगों की रक्षा का दायित्व मेजबान सरकार का है. हालांकि उन सभी सरकारों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है, पर अगर फिर भी अतिवादी नहीं धरे जाते हैं, उपद्रवी तत्वों को नहीं पकड़ा जाता है, तो इस तरह के आश्वासन पर भरोसा करना मुश्किल है. जयशंकर ने देश के क्षोभ को व्यक्त करते हुए कहा है कि उनका संदेश केवल कथित खालिस्तानियों के लिए नहीं है, ब्रिटेन के लिए भी है. अगर तिरंगे का कोई अनादर करने की कोशिश करेगा, तो हम इसे और बड़ा बना देंगे. उल्लेखनीय है कि लंदन उच्चायोग की घटना के बाद बहुत बड़ा झंडा इमारत पर लगाया गया है.

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मो.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मो.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002 RNI No. : UT-THIN/2012/44094 Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए के लिए चमोली पुलिस ने बनाये नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 6 अप्रैल , चमोली पुलिस यात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए बड़े स्तर पर प्लानिंग तैयार कर रही है। इसी कड़ी में वरिष्ठ उपनिरीक्षक कोतवाली कर्णप्रयाग देवेन्द्र पन्त व चौकी प्रभारी गौचर उपनिरीक्षक मानवेन्द्र गुसांई द्वारा आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत चौकी गौचर पर टैक्सी यूनियन, होटल ढाबा व्यवसायियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी को आगामी यात्रा सीजन को सुचारू रूप से संचालन हेतु पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल महोदय द्वारा दिये गए दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया।

1. समस्त होटल ढाबा स्वामियों को अपने-अपने होटल में सामान की रेट लिस्ट चस्पा करने हेतु बताया गया।
2. होटल-ढाबों में किसी भी दशा में शराब नहीं पिलाएंगे।
3. होटल ढाबे में आने वाले यात्रियों के वाहनों की पार्किंग हेतु उचित व्यवस्था करेंगे जिससे यात्रा के दौरान यातायात बाधित ना हो।
4. यात्रा के दौरान होटल में ठहरने वाले यात्रियों का विवरण अपने रजिस्टर में अंकित करेंगे तथा होटल में सीसीटीवी कैमरे लगवा लें।
5. समस्त टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों/चालकों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने वाहनों पर परिवहन विभाग द्वारा तय शुदा किराया सूची चस्पा करेंगे तथा किराया सूची के अनुसार ही किराया लिया जाए।
6. अपने-अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल में ही खड़ा करें, सड़क पर कोई भी वाहन इधर-उधर पार्क नहीं करेंगे, जिससे यातायात बाधित ना होने पाए।
7. सभी को निर्देशित किया गया है कि शराब पीकर कोई भी चालक वाहन नहीं चलायेगा और क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठायेगे।

छात्र देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी समझें : सुबोध उनियाल

देहरादून। छात्र देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें, ताकि वे समाज को बदलने में अपना योगदान दे सकें। ये बात तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में चल रहे दो दिवसीय एथलेटिक्स मीट व टैक्नो फेस्ट कौथिग के समापन अवसर पर मंगलवार को कही।

उन्होंने छात्रों को जिम्मेदार बनाने के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे विवि देश और दुनिया के विश्वविद्यालयों के सामने मजबूती से खड़ा हो सकेगा। कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि विवि जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ पूर्ण पारदर्शिता एवं दृढ़संकल्पित है। इस दौरान तकनीकी एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न लोक गीत, नृत्य व संगीत के माध्यम से उत्तराखंड के अलावा विभिन्न राज्यों की परंपराओं की छटा बिखेरी। कार्यक्रम में बिरला इंस्टीट्यूट आफ साइंस भीमताल के छात्र हर्षवर्धन को मिस्टर व संस्थान की छात्रा प्रिया तिवारी को मिस युनिवर्सिटी का खिताब दिया गया।

नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल अंशुमन भदौरिया ने की राज्यपाल गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (हड्डरू) के प्रधानाचार्य कर्नल अंशुमन भदौरिया ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को संस्थान में चलने वाले विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और अन्य क्रियाकलापों की जानकारी दी। राज्यपाल ने कहा कि एनआइएम भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्वतारोहण संस्थानों में से एक है और इसे एशिया में सबसे प्रतिष्ठित पर्वतारोहण संस्थान भी माना जाता है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस तरह का प्रतिष्ठित संस्थान उत्तराखण्ड में अवस्थित है जिसका हमें बेहतर लाभ लेने की जरूरत। राज्यपाल ने कहा कि संस्थान विभिन्न पर्वतारोहण और साहसिक पाठ्यक्रमों, साहसिक प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं सहित पर्वतारोहियों को प्रशिक्षित कर रहा है। उत्तराखण्ड में साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए संस्थान का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने विगत वर्ष हुई हिमस्खलन की घटना से सबक सीखने और अपनी कार्य योजना को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संस्थान के प्रशिक्षण और अन्य विषयों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

राजभवन में हुआ परिवार मिलन कार्यक्रम आयोजित

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून। बुधवार को राजभवन के समस्त कार्मिकों एवं उनके परिजनों हेतु परिवार मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजभवन ऑडिटोरियम में आयोजित परिवार मिलन कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और प्रथम महिला गुरमीत कौर ने समस्त कार्मिकों एवं उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने प्रत्येक कार्मिक एवं उनके परिवार की सदस्य की व्यक्तिगत एवं कार्यालयी समस्याओं के बारे में जाना। इस दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा राज्यपाल को कई समस्याओं से अवगत कराया गया जिस पर राज्यपाल द्वारा समस्याओं के निदान का आश्वासन देते हुए दिए गए सुझावों पर अमल करने की बात कही।

राज्यपाल ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि राजभवन में कार्य करने वाले सभी अधिकारी एवं कर्मचारी एक परिवार के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के किसी भी सदस्य की समस्या मेरी समस्या है जिनका निदान करना मेरी प्राथमिकताओं में रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कार्मिक राजभवन की गरिमा, सम्मान एवं प्रतिष्ठा के अनुसार अपना व्यवहार बनाएं एवं कार्यों का संपादन करें।

राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक शासकीय कार्मिक अपने कार्यों को पूरी श्रद्धा एवं ईमानदारी से करें। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यों में उत्कृष्टता और अपने उत्तरदायित्वों के प्रति खरा उतरने का प्रयास करें। भ्रष्टाचार रहित कार्य शैली, आत्मानुशासन, ईमानदारी और मानवीय संवेदनशीलता प्रत्येक कार्मिक की लक्ष्मण रेखा है।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में जल्द ही फैमली वेलफेयर सेंटर बनाया जायेगा जिसमें राजभवन में कार्यरत कार्मिकों के बच्चों एवं महिलाओं को विभिन्न प्रकार के स्वरोजगार प्रशिक्षण दिये जायेंगे। इसमें महिला स्वयं सहायता समूह का गठन भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था का भी प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्मिक को एक संगठित रूप में रहना आवश्यक है और राजभवन में होने वाले हर कार्यक्रम में प्रतिभाग करें।

इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन ने कहा कि राज्यपाल की प्रेरणा से परिवार मिलन कार्यक्रम एक सराहनीय पहल है। इसके माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी बात सीधे अपने मुखिया तक पहुंचाने का मंच मिलता है। उन्होंने आश्वस्त किया की जो भी समस्याएं एवं सुझाव प्राप्त हुए हैं उनका निदान प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। इस अवसर पर राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उनके परिजन उपस्थित रहे।

मंत्री अग्रवाल ने की सिंचाई विभाग के अधिकारियों संग बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने सिंचाई विभाग द्वारा गौहरी माफी और खदरी में बाढ़ सुरक्षा के लिए किए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से वर्षाकाल से पूर्व निर्माण कार्य करने व गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बुधवार को बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि गौहरी माफी में 15 करोड़ की लागत से करीब दो किमी की बाढ़ सुरक्षा दीवार बनाने के दो कार्य किए जाने हैं। खदरी में साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से करीब आधा किलो मीटर की लंबाई में सौंग नदी से बाढ़ सुरक्षा दीवार बनाई जानी है। छिद्रवाला में साढ़े 04 करोड़ की लागत से बाढ़ सुरक्षा कार्य पूर्ण कर लिया गया है। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि गौहरी माफी और खदरी दोनों ही बाढ़ग्रस्त क्षेत्र हैं, मानसून के दौरान दोनों ही क्षेत्रों की जनता प्रभावित होती है। इसके लिए उनके स्तर से लगातार प्रयास किए गए। जल्द ही गौहरी माफी और खदरी में बाढ़ सुरक्षा दीवार के बनने से यहां के लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षाकाल से पूर्व बाढ़ सुरक्षा के कार्य पूर्ण कर लिए जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। मौके पर सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता आरके तिवारी, अधिशासी अभियंता बीसी उनियाल, सहायक अभियंता अनुभव नौटियाल आदि उपस्थित रहे।

जनता एक्सप्रेस चार दिन और उपासना पांच दिन रहेगी रद

देहरादून। जनता एक्सप्रेस आठ अप्रैल से चार उपासना पांच दिन तक रद रहेगी। ट्रेनों के रद रहने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। स्टेशन अधीक्षक शशांक शर्मा ने बताया कि आठ अप्रैल से मंडल के कुछ स्टेशनों पर काम होना है। इसे देखते हुए रेलवे ने कुछ ट्रेनों को रद्द किया है, इसमें देहरादून आने और यहां से जाने वाली दो ट्रेनें भी शामिल हैं। बताया कि वाराणसी से देहरादून आने और दून से वाराणसी जाने वाली जनता एक्सप्रेस आठ से 11 अप्रैल तक रद्द रहेगी। जबकि हावड़ा से देहरादून आने और देहरादून से हावड़ा जाने वाली उपासना एक्सप्रेस आठ से 12 अप्रैल तक रद्द रहेगी। ट्रेनों के रद्द रहने से रेल यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सबसे ज्यादा परेशानी उन यात्रियों को होगी, जिन्होंने एडवांस में टिकट बुक करवा दी है।

संक्षिप्त खबरें

रोडवेज कर्मचारियों का मंडलीय प्रबंधक दफ्तर पर प्रदर्शन

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद पर्वतीय डिपो शाखा से जुड़े कर्मचारियों ने मंडलीय प्रबंधक दफ्तर पर प्रदर्शन कर धरना शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने मांगों का निराकरण नहीं होने तक धरना जारी रखने का ऐलान किया है। धरना स्थल पर हुई सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रबंधन कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। पर्वतीय डिपो में ज्यादातर बसें खटारा चुकी हैं। जो आधे रास्ते में खराब हो रही है। बसों के स्पेयर पाट्स नहीं हैं। बावजूद बसों को रूट पर दौड़ाया जा रहा है। कार्यशाला में सुविधाओं का अभाव है। प्रबंधन के निर्देश के बावजूद भी समयपाल कक्ष में परिचालकों से नियम विरुद्ध काम लिया जा रहा है। नई ई टिकट मशीनों में भी कई खामियां हैं, जिसका खामियाजा परिचालकों को भुगतना पड़ रहा है। मसूरी बस स्टैंड पर लिपिकों की कमी बनी हुई है। इसके अलवा भी कई मांगें हैं, जिनका समाधान नहीं हुआ है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब उनकी मांगें नहीं मानी जाती है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष मेजपाल सिंह, शाखा अध्यक्ष कलम सिंह तोमर, मंत्री नमन शर्मा, प्रांतीय प्रतिनिधि विनोद नौटियाल, शाखा उपाध्यक्ष अतर सिंह, अंकुश कुमार, महेंद्र सिंह, पंकज थापा, हरदेव सिंह राणा, आनंदपाल आदि मौजूद रहे।

पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच के लिए एनएसयूआई ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

देहरादून। एनएसयूआई ने उत्तराखंड राज्य में अनेक परीक्षाओं के पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग की। जिसमें पटवारी, लेखपाल, जेई व एई परीक्षा आदि शामिल है। एनएसयूआई ने एमपीजी कालेज परिसर में उत्तराखंड राज्य में हुए पेपर लीक मामले में हस्ताक्षर अभियान चला कर सीबीआई जांच की मांग की। इसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने हस्ताक्षर कर अपना विरोध दर्ज किया। इस मौके पर छात्रों ने मांग की कि पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच जरूरी है, ताकि इस मामले में आरोपियों को कड़ी सजा मिल सके ताकि छात्र छात्राओं को अपने भविष्य को संवारने के लिए भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षा देने में कोई संकोच न हो और परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रिंस, एनएसयूआई नगर अध्यक्ष नवीन शाह, उपाध्यक्ष अमन कंडारी, जुबेर, सागर, विकास चौहान, प्रदीप रावत, योगेश, प्रवीन, राहुल, अनुज, मनीष, कल्पना, लक्ष्मी, रीना, विवेक सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आश्वासन के बाद ऊर्जा कामगार संगठन ने स्थगित किया अनिश्चितकालीन धरना

देहरादून। उत्तराखंड ऊर्जा कामगार संगठन का अनिश्चितकालीन कार्यालय अवधि में दिया जाने वाला धरना ईसी रोड स्थित विद्युत वितरण मंडल ग्रामीण में बुधवार को समाप्त कर दिया गया। आईटी पार्क में तैनात कार्मिक मोहन चंद पाठक के साथ हुई मारपीट मसले पर पुलिस द्वारा आरोपी पार्षद की गिरफ्तारी न होने के विरोध में बिजली कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। बुधवार को मंडल ग्रामीण के अधीक्षण अभियंता गौरव शर्मा ने डीएम, एसएसपी को इस मामले में लिखित ब्यौरा दिया गया। जिसके बाद एसपी सिटी सरिता डोबाल ने संगठन के प्रतिनिधियों को बुलाकर घटना को लेकर बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख महामंत्री दीपक बेनीवाल, विजय बिष्ट, गंगा सिंह ल्वाल ने बताया कि एसपी सिटी ने कार्मिक मोहन चंद पाठक पर कलगे एससी एसटी एक्ट हटाने की जानकारी दी है। एसपी सिटी से मिले सकारात्मक आश्वासन के बाद ईसी रोड में चल रहे अनिश्चितकालीन धरने को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि मोहन चंद पाठक के खिलाफ कोई दबाव या कार्रवाई की गई तो अनिश्चितकालीन धरना तत्काल बिना नोटिस के शुरू कर दिया जाएगा। यूकेडी ने भी धरना प्रदर्शन का समर्थन किया है। मौके पर राजेश मोहन ध्यानी, सूर्यप्रकाश, मोहन पाठक, एनएस बिष्ट, मनोज कुमार, राजेश सैनी, आशीष सती, अवतार बिष्ट, विरेन्द्र लाल, आलोक नेगी, इमाम अली आदि मौजूद थे।

मेडिकल कॉलेज में 123 रिक्त पदों के लिए आठ के साक्षात्कार

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में प्रोफेसर, एसोसिएट व असिस्टेंट प्रोफेसर के रिक्त 123 पदों के लिए साक्षात्कार लिए गए। साक्षात्कार में महज आठ अभ्यर्थी ही पहुंचे। प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज की ओर से प्रोफेसर पद के लिए 11, एसोसिएट प्रोफेसर के लिए 43, असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 69 पदों पर विज्ञप्ति निकाली गई थी। बुधवार को साक्षात्कार में विभिन्न शहरों से आठ अभ्यर्थियों ने ही प्रतिभाग किया। इनमें जनरल सर्जरी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए एक ने साक्षात्कार दिया। वहीं, असिस्टेंट प्रोफेसर के अस्थि रोग विभाग में दो, रेडियोलॉजी विभाग में दो, बायोकेमिस्ट्री विभाग में दो और नाक, कान, गला रोग विभाग में एक अभ्यर्थी ने साक्षात्कार दिया। प्रोफेसर पद के लिए कोई नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में अध्यक्ष व कुलपति हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा स्वास्थ्य विवि देहरादून के डॉ. हेम चंद्रा, चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना वर्चुअल शामिल हुए। प्राचार्य डॉ. जोशी ने उम्मीद जताई कि जल्द ही रिक्त पदों पर नियुक्तियां होंगी, जिसका सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा।

मंडलीय प्रबंधक दफ्तर पर रोडवेज कर्मचारियों का प्रदर्शन

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद पर्वतीय डिपो शाखा से जुड़े कर्मचारियों ने मंडलीय प्रबंधक दफ्तर पर प्रदर्शन कर धरना शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने मांगों का निराकरण नहीं होने तक धरना जारी रखने का ऐलान किया है। धरना स्थल पर हुई सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रबंधन कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। पर्वतीय डिपो में ज्यादातर बसें खटारा चुकी हैं। जो आधे रास्ते में खराब हो रही है। बसों के स्पेयर पाट्स नहीं हैं। बावजूद बसों को रूट पर दौड़ाया जा रहा है। कार्यशाला में सुविधाओं का अभाव है। प्रबंधन के निर्देश के बावजूद भी समयपाल कक्ष में परिचालकों से नियम विरुद्ध काम लिया जा रहा है। नई ई टिकट मशीनों में भी कई खामियां हैं, जिसका खामियाजा परिचालकों को भुगतना पड़ रहा है। मसूरी बस स्टैंड पर लिपिकों की कमी बनी हुई है। इसके अलवा भी कई मांगें हैं, जिनका समाधान नहीं हुआ है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब उनकी मांगें नहीं मानी जाती है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष मेजपाल सिंह, शाखा अध्यक्ष कलम सिंह तोमर, मंत्री नमन शर्मा, प्रांतीय प्रतिनिधि विनोद नौटियाल, शाखा उपाध्यक्ष अतर सिंह, अंकुश कुमार, महेंद्र सिंह, पंकज थापा, हरदेव सिंह राणा, आनंदपाल आदि मौजूद रहे।